Title : Reported move to withdraw the security cover being provided to prominent leaders of the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका ध्यान बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न पर आकर्षित करना चाहूंगा। माननीय गृहमंत्री जी अभी सदन में उपस्थित हैं। आज के सभी समाचारपत्रों में लिखा है कि एनएसजी के वीआईपी सुरक्षा से संबंधित दो सौ वीआईपीज की समीक्षा गृहमंत्रालय ने की है। जिसमें इस बात को प्रमुखता से रखा गया है कि या तो उनकी सुरक्षा वापस ली जाएगी या उसमें कटौती की जाएगी। हमारे नेता माननीय मुलायम सिंह यादव जी चार बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, देश के रक्षामंत्री रहे, लालू प्रसाद जी भी उपस्थित हैं, वह कई बार मुख्यमंत्री रहे, देश के रेल मंत्री भी रहे हैं, इन तमाम लोगों की सुरक्षा पर एक सवालिया निशान है। ऐसे तमाम लोगों को आपने सुरक्षा दी है, जिनका आपराधिक इतिहास भी है, जिनको सुरक्षा की कोई जरूरत नहीं है, केवल एक सिंबल स्टैटस के तौर पर सुरक्ष दी गयी है। यह बहुत गलत बात है। हमें और हमारे दल के लोगों को चिंता है, ये देश के भावी नेता और कर्णधार हैं, हम चाहेंगे कि इनकी सुरक्षा में कोई भी कटौती न की जाए, बल्कि इनकी सुरक्षा को और बढ़ाया जाए। सदन में, सदन के बाहर भी विभिन्न मुद्दों को लेकर आप लोगों ने बड़ी प्रमुखता से सवाल उठाए हैं। आपने भाषण भी दिया है और उन पर हमले भी हुए हैं। यहां तक कि माननीय मुलायम सिंह यादव जी मुख्यमंत्री थे, उनके बंगले के अंदर घुसकर चाकू मारने की कोशिश की गयी। ऐसे तमाम सवालात पर आप बराबर चर्चा करते रहे हैं, चाहे आतंकवाद को लेकर हो, चाहे नक्सलवाद को लेकर हो, तमाम ऐसे इनके विचार आते रहते हैं। आपके माध्यम से मैं गृहमंत्री जी से यह निवेदन करना चाहूंगा कि क्या अधिकारी बैठकर तय करेंगे कि कैसे सुरक्षा होगा, गृहमंत्री जी यहां बैठे हैं, यह सदन के तमाम सम्मानित सदस्यों की जान-माल की सुरक्षा से संबंधित सवाल है। मैं चाहूंगा कि आपका संरक्षण मिले और गृहमंत्री जी को आप निर्देशित करें कि सुरक्षा और बढ़ायी जाए, न कि उसमें कटौती हो और न ही वापस लेने की बात होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदया जी, हम आपका सरंक्षण चाहते हैं। गृहमंत्री जी बैठे हैं, कम से कम वह इस पर जवाब तो दें। ...(व्यवधान) इस पर जवाब देना चाहिए। यह बड़ी गलत बात है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शून्य प्रहर को चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : सदन में बैठे हुए लोगों को आप संरक्षण नहीं देंगी, तो बताइए कैसे हो पाएगा? यह बड़ा गंभीर मामला है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हां, गंभीर मामला है।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : गृहमंत्री जी बैठे हैं, आप इसकी समीक्षा करायें। कम से कम इसे रोका जाए। ...(व्यवधान) मंत्री जी जवाब दें। यह सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। ...(व्यवधान) आप हाउस को संरक्षा दें, संरक्षण दें। आप गृहमंत्री जी को निर्देशित करें कि इस प्रकार की बात नहीं होनी चाहिए, बल्कि सुरक्षा को और बढ़ाया जाना चाहिए। हम आपका संरक्षण चाहते हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपने अपनी बात कह दी और गृहमंत्री जी ने आपकी बात सुन ली। हम उन पर जोर नहीं डाल सकते कि वह जवाब दें। उन्होंने आपकी बात सुन ली है। शून्य प्रहर में अब गुरूदास दासगुप्त जी को बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप दूसरे सदस्य को भी बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : माननीय गृहमंत्री जी मौन बैठे हैं। इसका मतलब है कि बात सही है। तमाम प्रमुख लोगों की सुरक्षा वापस ली जा रही है। कम से कम गृहमंत्री जी को बयान देना चाहिए। हम आपसे संरक्षण चाहते हैं। ...(व्यवधान) खासकर जो सामाजिक अधिकारिता के मुद्दे पर लड़ते हैं ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप दूसरे सम्मानित सदस्य की बात भी सुन लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : गृहमंत्री जवाब दें। यह गंभीर मामला है। वे कुछ तो बोलें। हाउस के कुछ प्रमुख लोगों की जान-माल की सुरक्षा की बात है। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (सारण): एक चीज की सफाई की क्या करेंगे, नहीं करेंगे, ये जानें, इनका काम जानें। किसको देंगें, किसको रखेंगे, उस पर हमको कोई बहस नहीं करनी है। लेकिन इतना सफेद झूठ है, यह ठीक है कि हमको सुरक्षा मिली है, पहले से मिली, आडवाणी जी थे, उस समय भी सब लोगों को सुरक्षा मिली। जिनके ऊपर खतरा है, उन पर यह रहना चाहिए। अगर यह खतरे की गारंटी ले लें कि खतरा नहीं है और अगर उनको कुछ होता है, तो वे फांसी चढ़ने के लिए तैयार रहें।

दूसरी बात, राबड़ी देवी जी को सुरक्षा मिली ही नहीं है। यह भी बताया गया कि राबड़ी देवी जी की भी सुरक्षा खत्म कर दी गयी है। यह कैसा होम डिपार्टमैंट चलाते हैं? आपके कैसे अफसर हैं। ...(व्यवधान) राबड़ी देवी जी को तो सुरक्षा मिली ही नहीं है, तो खत्म क्या होगी? ...(व्यवधान) आपका डिपार्टमैंट एकदम अंधेरे में चल रहा है। ...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोदया, इस बारे में कोई जवाब आना चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप भी जानते हैं कि शून्य काल में जवाब नहीं आता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैडम, आप हमारी संरक्षक हैं। मुलायम सिंह यादव जी हमारे नेता हैं। उनकी जान-माल को खतरा है। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदया, यदि कोई खतरा हुआ, तो उन लोगों की जिम्मेदारी है जो यह सुरक्षा हटाना चाहते हैं। ...(व्यवधान) यह रिकार्ड में जाना चाहिए कि अगर हम लोगों पर कोई हमला होता है, तो वह आदमी जो सुरक्षा हटायेगा, सबसे पहले जेल जाने के लिए तैयार रहे। ...(व्यवधान) अगर हटाना है तो हटाइये, लेकिन पहले यह जिम्मेदारी लें। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदया, मैं एक बात कहना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : अध्यक्ष महोदया, यह सिक्योरिटी का मामला है। बहुत लोगों को सिक्योरिटी चाहिए और बहुत लोगों को नहीं चाहिए। जब नये होम मिनिस्टर आते हैं, तो वे नये सिरे से सारी एक्सरसाइज करते हैं। लेकिन मैं एक निवेदन करूंगा कि सलैक्टेड तरीके से जैसे नाम छपते हैं, वह किसी भी तरह से ठीक बात नहीं है। आपकी जो भी प्रक्रिया है, वह लगातार चले, लेकिन निश्चित तौर पर बहुत से लोगों को गलत तरह से सिक्योरिटी मिली हुई है। होम मिनिस्ट्री उसे रिव्यू करती रहती है, लेकिन सलैक्टेड तरीके से नाम छापना ठीक नहीं है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के प्रेजीडैंट का नाम नहीं छपा। उन्हें जान का कोई खतरा नहीं है। मैं यहां ज्यादा लोगों के नाम नहीं लूंगा, लेकिन बहुत से ऐसे लोग हैं, जिनकी जान को कोई खतरा नहीं है। उन लोगों को आप सुरक्षा देते हैं। मैं आपको मना नहीं कर रहा हूं, आप एक्सरसाइज कीजिए । लोगों के सामने यह सारी बहस चलती है जिससे उन्हें लगता है कि हमको छांट कर यह खेल खेला जा रहा है। यह ठीक तरीका नहीं है। उन लोगों की सुरक्षा जरूर होनी चाहिए। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, हमने कभी सुरक्षा नहीं मांगी थी। जिस वक्त चन्द्रशेखर जी प्रधान मंत्री थे, शरद पवार जी इस समय सदन में नहीं हैं। उन्हें खबर मिली कि अयोध्या मामले के बाद मुलायम सिंह जी के जीवन को खतरा है। उस समय चन्द्रशेखर जी प्रधान मंत्री थे। उन्हें जब बहुत बार इस बात की रिपोर्ट मिली, तो उन्होंने तुरंत ही जहाज से हमारे घर सिक्योरिटी भेजी, लेकिन हमें इस बात का पता ही नहीं था। मैंने कभी सिक्योरिटी नहीं मांगी थी। उसके बाद मुम्बई में हम पर हमला हुआ, हैदराबाद में हमला हुआ। वह कोई मामूली हमला नहीं था, इस बारे में आप सब जानते हैं। उससे पहले हम पर सीधी गोली चलायी गयी, जिससे हमारे आगे जो कार्यकर्ता चल रहा था, वह मारा गया। दूसरा जो कार्यकर्ता घायल हुआ, वह अभी तक अपाहिज है। उसके बाद जब हम जनता दर्शन में बातचीत कर रहे थे, लोगों की शिकायतें सुन रहे थे और उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे थे, उस वक्त हम पर चाकू से हमला हुआ। हमने और हमारी सिक्योरिटी ने किसी तरह से उस आदमी को पकड़ा, लेकिन फिर भी हमें चोट लग गयी और खून निकला। एक बार नहीं, कई बार हमला हुआ। मैं आपको कहां तक गिनाऊं। इतने खतरे हुए, इतने हमले हुए, उसके बाद भी हमने कभी सिक्योरिटी नहीं मांगी। लेकिन इस तरह से अपमान करने की साजिश उन्हीं लोगों की है, जो सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। किसी और को छुआ नहीं जाता। मैं इस बात को कहना नहीं चाहता था, लेकिन यह असलियत है, सच्चाई है। यह इस तरह की मानसिकता वाले लोग हैं, जो इधर-उधर की बातें करके हमारे, लालू जी और अन्य लोगों के जीवन को खतरा पैदा कर रहे हैं। हमारी जान को खतरा है। आज के अखबार में ऐसा निकलने के बाद यदि यह हमारी सिक्योरिटी को वापिस लेते हैं, तो उन लोगों को बढ़ावा दे रहे हैं। हम पर हमले होंगे और जो होते रहे हैं, उनको बढ़ावा दे रहे हैं कि हमला कीजिए, हम सिक्योरिटी ले रहे हैं। यदि किसी तरह की कोई घटना हुई, तो उसके लिए यह सरकार और होम मिनिस्टर जिम्मेदार होंगे।